ये अव्यक्त इशारे

अपवित्रता के बीज को भी समाप्त कर सम्पूर्ण स्वच्छ (पवित्र) बनो

27-08-2026

परमात्म ज्ञान की नवीनता पवित्रता है। फ़लक से कहते हो ना कि आग कपूस इकट्ठा रहते भी आग नहीं लग सकती। आप लोग भाषणों में भी कहते हो कि पवित्रता के बिना योगीतू आत्मा, ज्ञानी तू आत्मा बन ही नहीं सकते। तो यह चैलेन्ज अब प्रक्टीकल रूप में लाओ।

Finish the seed of impurity and become completely clean (pure).

The newness of God's knowledge is purity. You say with spiritual intoxication that even when cotton wool lives with fire, it cannot catch fire. You even say in your lectures that, without purity, you cannot become yogi and gyani souls. So, now put this challenge into practice.